

国学经典

一则故事，受益一生

中华成语故事

尹小林 ◎主编

收录2000多个人们常用、常见的成语，
它们出自古代寓言、诗词歌赋等，
隐含丰富传奇轶事和历史典故。

Chinese
Idiom Story

石油工业出版社



中华成语故事

尹小林 主编

石油工业出版社

图书在版编目 (CIP) 数据

中华成语故事/尹小林主编. —北京: 石油工业出版社, 2018. 1

ISBN 978-7-5183-2094-3

I. ①中…

II. ①尹…

III. ①汉语-成语-故事

IV. ①H136. 31

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2017)第 215018 号

中华成语故事

尹小林 主编

出版发行: 石油工业出版社

(北京安定门外安华里 2 区 1 号楼 100011)

网址: www.petropub.com

编辑部: (010) 64523643

图书营销中心: (010) 64523633

经 销: 全国新华书店

印 刷: 三河市天润建兴印务有限公司

2018 年 1 月 第 1 版 2018 年 1 月 第 1 次印刷

640×920 毫米 开本: 1/16 印张: 24

字 数: 350 千字

定 价: 32.00 元

(如出现印装质量问题, 我社图书营销中心负责调换)
版权所有, 翻印必究

前 言

成语，是我国劳动人民的伟大创造。数千年来，它作为中华灿烂文化的载体，是世界上使用、传播最广的语汇。它主要来源于古代的典籍以及民间的口语，是中华民族语言宝库中经过长期锤炼而形成的精练、形象而又富于表现力的固定词组或短语。中华五千年文明光辉灿烂，汉语三千年历史博大精深，中华成语璀璨夺目，蔚为壮观。

成语是中华民族五千年文明史的智慧结晶、语言精华，历经漫长的岁月变迁，在浩如烟海的历史典籍中，在劳动人民的口耳相传中，成语不断地产生、发展和演变，逐步走向成熟，成为传承中华文化的重要纽带。中华成语数量巨大、浩如烟海，它随着汉语语言文字的发展变化而不断地丰富和创新，源远流长，经久不衰。

在每个成语的背后，都蕴藏着各自的渊源，有的来源于历史事件，有的来源于古代诗文，还有的来源于民间俗语或谚语。成语的世界犹如一个异彩纷呈的大观园，里面凝集了丰富的人文社会知识以及各种自然科学知识，古今交织，文理兼备，情趣盎然。

由于成语有其约定俗成的含义，所以明确成语的真正含义很重要。正确地运用成语，可以增强语言的感染力和说服力，如果不了解成语背后的故事、不能准确地把握其含义，使用时就常常会曲解其义，闹笑话。因此，我们必须正确学习成语，充分了解中华成语的原义，引申义。成语记录的历代王朝兴替、自古英雄成败以及可歌可泣、可悲可叹的历史事件，这对于我们现代人来说，仍具有极强的参考价值和现实意义。

为此，我们选编了这套《中华成语故事》，精心选取了日常生活中最常见的成语，将每个成语的出处和含义进行详细介绍。读者可以追本溯源，了解生动有趣的故事，去体味中华五千年历史文化的博大精深，也可将其作为工具书查阅，可谓一册在手，中华成语故事全掌握。此书有助于读者朋友正确理解成语的含义，并灵活运用到实际生活中。愿此书让您领略传统文化别样的风情，在聆听圣贤教诲的同时，为您的生活注入一缕阳光，给您的事业带来裨益，愿它能够成为您的良师益友，让您在辉煌的历史文化中获得审美享受！



目 录

A

| | |
|------------|----|
| 爱屋及乌 | 2 |
| 安步当车 | 3 |
| 安居乐业 | 5 |
| 安然无恙 | 7 |
| 安如泰山 | 8 |
| 按兵不动 | 10 |
| 按图索骥 | 11 |

B

| | |
|------------|----|
| 八面威风 | 14 |
| 拔苗助长 | 15 |



| | |
|-----------|----|
| 拔山举鼎····· | 16 |
| 拔帜易帜····· | 17 |
| 百步穿杨····· | 19 |
| 百川归海····· | 21 |
| 百丈竿头····· | 22 |
| 班门弄斧····· | 23 |
| 半途而废····· | 25 |
| 抱薪救火····· | 26 |
| 背水一战····· | 27 |
| 鞭长莫及····· | 29 |
| 宾至如归····· | 31 |
| 兵不血刃····· | 32 |
| 兵不厌诈····· | 34 |
| 病人膏肓····· | 35 |
| 捕风捉影····· | 37 |
| 不耻下问····· | 38 |
| 不寒而栗····· | 40 |
| 不堪回首····· | 41 |
| 不可救药····· | 43 |
| 不名一钱····· | 45 |
| 不求甚解····· | 47 |
| 不贪为宝····· | 48 |
| 不遗余力····· | 50 |
| 不知所云····· | 51 |

C

| | |
|-----------|----|
| 才高八斗····· | 54 |
| 残杯冷炙····· | 55 |
| 沧海桑田····· | 56 |
| 草船借箭····· | 58 |
| 草木皆兵····· | 59 |
| 车水马龙····· | 61 |
| 车载斗量····· | 63 |
| 乘风破浪····· | 64 |
| 乘兴而来····· | 65 |
| 程门立雪····· | 67 |
| 惩前毖后····· | 68 |
| 惩一戒百····· | 69 |
| 魑魅魍魉····· | 71 |
| 重蹈覆辙····· | 72 |
| 出尔反尔····· | 74 |
| 出奇制胜····· | 75 |
| 出人头地····· | 77 |
| 出言不逊····· | 78 |
| 唇亡齿寒····· | 80 |
| 从善如流····· | 81 |
| 摧枯拉朽····· | 83 |
| 寸草春晖····· | 85 |

D

| | |
|------|-----|
| 打草惊蛇 | 88 |
| 大笔如椽 | 89 |
| 大公无私 | 90 |
| 大逆不道 | 92 |
| 大义灭亲 | 93 |
| 呆若木鸡 | 95 |
| 箪食壶浆 | 96 |
| 倒行逆施 | 98 |
| 道不拾遗 | 100 |
| 道听途说 | 101 |
| 得陇望蜀 | 103 |
| 德高望重 | 104 |
| 滴水穿石 | 106 |
| 东窗事发 | 107 |
| 东山再起 | 109 |
| 东施效颦 | 110 |
| 断章取义 | 112 |
| 对牛弹琴 | 114 |

F

| | |
|------|-----|
| 罚不当罪 | 118 |
|------|-----|

| | |
|------------|-----|
| 防微杜渐 | 119 |
| 废寝忘食 | 120 |
| 分崩离析 | 121 |
| 分道扬镳 | 123 |
| 分庭抗礼 | 124 |
| 风声鹤唳 | 126 |
| 负荆请罪 | 128 |
| 覆水难收 | 129 |

G

| | |
|------------|-----|
| 改弦易辙 | 132 |
| 肝脑涂地 | 134 |
| 感激涕零 | 135 |
| 高山流水 | 137 |
| 高屋建瓴 | 139 |
| 功败垂成 | 140 |
| 功亏一篑 | 141 |
| 钩心斗角 | 142 |
| 孤注一掷 | 143 |
| 刮目相待 | 145 |
| 管鲍之交 | 146 |
| 管中窥豹 | 147 |

H

| | |
|------------|-----|
| 害群之马 | 150 |
|------------|-----|

| | |
|------------|-----|
| 邯郸学步 | 151 |
| 汗流浹背 | 152 |
| 沆瀣一气 | 154 |
| 涸辙之鲋 | 155 |
| 鹤立鸡群 | 156 |
| 鸿鹄之志 | 157 |
| 怙恶不悛 | 159 |
| 画龙点睛 | 160 |
| 画蛇添足 | 161 |
| 黄粱一梦 | 163 |
| 讳疾忌医 | 164 |

J

| | |
|------------|-----|
| 鸡鸣狗盗 | 168 |
| 寄人篱下 | 170 |
| 家徒四壁 | 171 |
| 嫁祸于人 | 172 |
| 坚壁清野 | 174 |
| 间不容发 | 175 |
| 见利忘义 | 176 |
| 江郎才尽 | 178 |
| 将勤补拙 | 180 |
| 骄兵必败 | 181 |
| 矫枉过正 | 182 |

| | |
|------------|-----|
| 嗟来之食 | 183 |
| 竭泽而渔 | 185 |
| 金石为开 | 186 |
| 近水楼台 | 187 |
| 噤若寒蝉 | 189 |
| 惊弓之鸟 | 190 |
| 精卫填海 | 192 |
| 居安思危 | 193 |
| 鞠躬尽瘁 | 194 |
| 举案齐眉 | 195 |

K

| | |
|------------|-----|
| 开诚布公 | 200 |
| 开卷有益 | 201 |
| 开门揖盗 | 202 |
| 开天辟地 | 203 |
| 刻舟求剑 | 205 |
| 空前绝后 | 207 |
| 空中楼阁 | 208 |
| 口蜜腹剑 | 210 |
| 口若悬河 | 211 |
| 脍炙人口 | 213 |

L

| | |
|------------|-----|
| 滥竽充数 | 216 |
|------------|-----|

| | |
|------------|-----|
| 狼狈为奸 | 217 |
| 老当益壮 | 219 |
| 老马识途 | 220 |
| 老牛舐犊 | 221 |
| 老嫗能解 | 222 |
| 乐不可支 | 224 |
| 乐不思蜀 | 225 |
| 乐极生悲 | 226 |
| 李代桃僵 | 227 |
| 厉兵秣马 | 229 |
| 利令智昏 | 230 |
| 连篇累牍 | 232 |
| 两袖清风 | 233 |
| 量体裁衣 | 234 |
| 临危不顾 | 235 |
| 令行禁止 | 237 |
| 流言蜚语 | 238 |
| 戮力同心 | 240 |
| 洛阳纸贵 | 241 |

M

| | |
|------------|-----|
| 马革裹尸 | 244 |
| 马首是瞻 | 245 |
| 买椟还珠 | 247 |

| | |
|------------|-----|
| 芒刺在背 | 248 |
| 毛遂自荐 | 249 |
| 门可罗雀 | 251 |
| 门庭若市 | 252 |
| 门无杂宾 | 254 |
| 民不聊生 | 255 |
| 明察秋毫 | 257 |
| 明目张胆 | 258 |
| 明哲保身 | 259 |
| 摩肩接踵 | 261 |
| 磨杵成针 | 262 |
| 木人石心 | 264 |
| 目不识丁 | 265 |
| 目光如炬 | 266 |
| 目无全牛 | 268 |

N

| | |
|------------|-----|
| 南柯一梦 | 272 |
| 南辕北辙 | 273 |
| 南州冠冕 | 274 |
| 囊萤映雪 | 275 |

P

| | |
|------------|-----|
| 抛砖引玉 | 278 |
|------------|-----|

| | |
|------------|-----|
| 鹏程万里 | 279 |
| 蓬生麻中 | 280 |
| 披坚执锐 | 282 |
| 披荆斩棘 | 283 |
| 萍水相逢 | 285 |
| 破釜沉舟 | 286 |
| 扑朔迷离 | 288 |
| 璞玉浑金 | 289 |

Q

| | |
|------------|-----|
| 七纵七擒 | 294 |
| 歧路亡羊 | 296 |
| 骑虎难下 | 298 |
| 杞人忧天 | 299 |
| 起死回生 | 301 |
| 千金市骨 | 302 |
| 千钧一发 | 303 |
| 千里鹅毛 | 304 |
| 千人所指 | 305 |
| 前倨后恭 | 307 |
| 黔驴技穷 | 309 |
| 请君入瓮 | 310 |
| 罄竹难书 | 312 |
| 穷兵黩武 | 313 |

| | |
|------------|-----|
| 秋毫无犯 | 315 |
| 曲突徙薪 | 317 |

R

| | |
|------------|-----|
| 人杰地灵 | 320 |
| 人人自危 | 322 |
| 人言可畏 | 324 |
| 忍辱负重 | 325 |
| 任人唯贤 | 327 |
| 日不暇给 | 329 |
| 日暮途穷 | 331 |
| 人木三分 | 333 |

S

| | |
|------------|-----|
| 杀身成仁 | 336 |
| 神工鬼斧 | 337 |
| 升堂入室 | 338 |
| 生花妙笔 | 340 |
| 生灵涂炭 | 341 |
| 声名狼藉 | 342 |
| 始作俑者 | 344 |
| 四面楚歌 | 345 |
| 所向无敌 | 347 |

T

| | |
|------------|-----|
| 泰山压卵 | 350 |
| 贪得无厌 | 351 |
| 贪多务得 | 352 |
| 贪天之功 | 354 |
| 贪小失大 | 355 |
| 谈何容易 | 356 |
| 谈笑自若 | 358 |
| 谈言微中 | 359 |
| 弹冠相庆 | 361 |
| 叹为观止 | 362 |
| 探骊得珠 | 363 |
| 探囊取物 | 364 |
| 螳臂当车 | 365 |